प्रस्तावना

प्रथम अध्याय : समाज–कल्याण : स्वरूप संधारण 01–49

द्वितीय अध्याय : कबीर एवं आचार्य महाप्रज्ञ व्यक्तित्व : एक परिचय 50–144

तृतीय अध्याय : कबीर एवं आचार्य महाप्रज्ञ : कृतित्व विश्लेषण 145–201

चतुर्थ अध्याय : कबीर एवं आचार्य महाप्रज्ञ : काल परिदृश्य 202–242

पंचम अध्याय : कबीर एवं आचार्य महाप्रज्ञ : सामाजिक चिन्तन 243–292

षष्ठ अध्याय : कबीर एवं आचार्य महाप्रज्ञ : शैक्षणिक चिन्तन 293–353

सप्तम अध्याय : कबीर एवं आचार्य महाप्रज्ञ : तुलनात्मक अध्ययन 358–393

अष्टम अध्याय : उपसंहार 394–415